स्टॉकहोम में रोड शो

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने **स्टॉकहोम, स्वीडन** में यात्रा व्यापार उद्योग के लिये तैयार अपने आगामी रोड शो कार्यक्रम की घोषणा की।

मुख्य बिंदु:

- यह विशेष रोड शो यात्रा पेशेवरों, मीडिया, ब्लॉगर्स और प्रभावशाली लोगों के लिये मध्य प्रदेश, भारत के विविध पर्यटन परिदृश्य में जाने तथा **स्थानीय पर्यटन अधिकारियों के साथ पारस्परिक रूप से** लाभप्रद साझेदारी बनाने का एक असाधारण अवसर प्रस्तुत करता है।
- इस रोड शो के माध्यम से, **मध्य प्रदेश पर्यटन का लक्ष्य है:**
  - संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' विश्व धरोहर स्थलों सहित राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को उजागर करें, जिनमें **खजुराहो स्मारक समूह,** सांची स्तूप **तथा** भीमबेटका रॉक शेल्टर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य**, ऐतिहासिक स्थल और जीवंत सांस्कृतिक त्योहार** शामिल हैं।
  - **राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने** के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन द्वारा किये गए स्थायी पर्यटन प्रथाओं और संरक्षण प्रयासों को प्रदर्शित करना।
  - दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन और**स्वीडिश ट्रैवल एजेंसियों, टूर ऑपरेटरों, मीडिया तथा प्रभावशाली लोगों** के बीच साझेदारी व सहयोग को बढ़ावा देना।
  - मध्य प्रदेश में उपलब्ध अद्वितीय यात्रा अनुभवों और अवसरों, जैसेवन्यजीव सफारी, **सांस्कृतिक विसर्जन, साहसिक** पर्यटन **तथा पर्यावरण-पर्यटन पहल** के बारे में जानकारी प्रदान करना।

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (MPTB)

- इसकी **स्थापना वर्ष 2017 में** मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- बोर्ड का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक, निजी भागीदारी के साथ स्थायी तरीके से**पर्यटन का विकास, निवेशकों को सुविधा, कौशल-विकास, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन स्थलों का प्रचार/प्रसार,** पर्यटन बुनियादी ढाँचे की पहचान तथा विकास करना है।

खजुराहो समूह के स्मारक (1986)

- इन मंदिरों का निर्माण **चंदेल राजवंश** के दौरान किया गया था, जो 950 और 1050 के बीच अपने चरम पर था।
- केवल 20 मंदिर बचे हैं, जो दो अलग-अलग धर्मों - **हिंदू धर्म और जैन धर्म** से संबंधित हैं, जिनमें जटिल तथा सुंदर नक्काशीदार मूर्तियों से सजाए गए प्रसिद्ध कंदारिया मंदिर भी शामिल है।

भीमबेटका रॉक शेल्टर (2003)

- ये शेल्टर मध्य भारतीय पठार के दक्षिणी किनारे पर, **विंध्य पर्वतमाला** की तलहटी में स्थित हैं।
- प्राकृतिक रॉक शेल्टर के पाँच समूहों के रूप में खोजे गए, जिनमें **मेसोलिथिक** और उसके बाद के अन्य कालखंडों की पेंटिंग प्रदर्शित हैं।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों की सांस्कृतिक परंपराएँ चित्रों में प्रदर्शित परंपराओं के समान हैं।

सांची में बौद्ध स्मारक (1989)

- यह अस्तित्व में **सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य** है और 12वीं शताब्दी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था।
- सांची की साइट में विभिन्न संरक्षित राज्यों में बौद्ध स्मारकों (अखंड स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह शामिल है, जिनमें से अधिकांश**दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व** के हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/roadshow-in-stockholm